जयपुर (राजस्थान) से प्रकाशित एवं दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, हिमाचल प्रदेश और झारखण्ड राज्यों में प्रसारित

साप्ताहिक

(DAVP-CODE No. 120390) भारत सरकार का रजि. नं. 10311/1965

हमारा वतन

ہمارا وطن ہفت روزہ

देश का अपना अखबार

संस्थापित 1965

www.hamarawatan.com

FOLLOW US:- Hamarawatan | Hamarawatan65 | Hamarawatan3 | Hamarawatan

संस्थापक
स्व. श्री राजेन्द्र कुमार 'अजेय'
स्वतंत्रता सेनानी

संरक्षक
स्व. श्री बाबू लाल सैनी

सम्पादक
राम गोपाल सैनी

वर्ष- 62 अंक-28 जयपुर, सोमवार, 27 जुलाई, 2026 वार्षिक शुल्क 200 रुपये (एक प्रति 4 रु.) पृष्ठ संख्या 4

जेन-जी की जीतः शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा

आन्दोलन ख़त्म, केस हटेंगे, मुआवजे पर भी राजी सरकार

नई दिल्ली (हमारा वतन)

हिंदुस्तान में जेन जी का आक्रोश और संघ-संगठन का फीडबैक धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे का कारण बना। 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज के बाद विरोध तेज हो गया था। इसमें राहुल गांधी सहित विपक्षी पार्टियों ने सहयोग किया। इसके बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने मुख्यालय में तेजस्वी सूर्या समेत पार्टी के युवा नेताओं की बैठक बुलाई। 3 घंटे से अधिक चली बैठक में आंदोलन के असर, विरोध और मुद्दों पर चर्चा हुई। फीडबैक प्रधानमंत्री और अमित शाह को दिया गया। इसमें एनटीए, नीट परीक्षा, शिक्षा मंत्रालय में बदलाव से जुड़े सुझाव भी थे, जिनकी बाद में सिलसिलेवार घोषणा हुई।

मंगलवार को संसद में विपक्ष के हंगामे के बीच गृह मंत्री अमित शाह के कक्ष में धर्मेंद्र प्रधान और पीयूष गोयल की 3 घंटे से लंबी बैठक चली। उसी दिन अटकलें थी कि संसद से सड़क तक बन चुके दबाव में इस्तीफा एकमात्र समाधान है। इस दौरान,

इस्तीफे से बचने के उपायों पर भी विचार हुआ। लेकिन, बात अंततः इस्तीफे पर खत्म हुई। बैठक में प्रधान ने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफे की पेशकश की। इससे प्रधानमंत्री को अवगत करवाया गया। इसके बाद सरकार विरोध पर अपने प्रयासों का असर देखना चाहती थी। इसके तहत वांगचुक का अनशन तुड़वाया। सीजेपी से वार्ता, फास्ट ट्रैक कोर्ट, एग्जाम बिल, उच्च शिक्षा सचिव का तबादला और एनटीए से

47 कर्मचारियों को हटाने जैसे कदम उठाए। दूसरी ओर, सरसंघचालक मोहन भागवत 23-24 जुलाई को दिल्ली में थे। एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि युवाओं से संवाद करना चाहिए। माना जा रहा है कि इस्तीफे के पीछे इस राय का भी असर रहा। दिल्ली के साथ-साथ बिहार, यूपी, महाराष्ट्र और अन्य प्रदेशों में फैल रहे विरोध और संसद में विपक्ष के लगातार गतिरोध के बीच प्रधान ने शनिवार को इस्तीफा भेज दिया।

इसमें उनके कार्यकाल में हुए विवादों की भी भूमिका रही। 2024 में शिक्षा मंत्री बनते हुए पहला सामना नीट में गड़बड़ी से हुआ। इस विवाद में एनटीए के तत्कालीन डीजी सुबोध कुमार सिंह हटे। फिर जनवरी 2026 में यूजीसी के नए एंटी- डिस्क्रिमिनेशन नियमो में ओबीसी को एससी व एसटी के साथ जोड़ना बड़े विवाद की वजह बना। 12वीं की परीक्षा में ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) में गड़बड़ी मिली। फिर मई में नीट का पेपर लीक हो गया।

अब सरकार का ध्यान मानसून सत्र के कोर एजेंडे पर होगा- धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद सरकार की नजर मानसून सत्र के शेष हिस्से पर है। लंबित विधायी एजेंडे आगे बढ़ेंगे। सोमवार को पब्लिक एग्जामिनेशन प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मींस (संशोधन) विधेयक पेश हुआ । इसके साथ ही राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम संशोधन विधेयक, 2026 पेश किया जा सकता है। इसमें वंदे मातरम् के अपमान पर सख्ती के प्रावधान हैं। सुप्रीम कोर्ट के जजों की संख्या 33 से बढ़ाकर 37 करने और विदेशी अंशदान विनियमन (एफसीआर) संशोधन विधेयक जैसे महत्वपूर्ण बिल भी एजेंडे में हैं। परिसीमन बिल और महिला आरक्षण बिल पारित कराने पर भी सरकार कदम बढ़ा सकती है। सदन में दो तिहाई बहुमत जुटाने के लिए सरकार को पहली बार इस्तीफे पर अपनी रणनीति बदलनी पड़ी, क्योंकि बिल पर मदद करने वाली कई पार्टियों ने भी सरकार से कहा था कि प्रधान का इस्तीफा होने पर ही वे सदन में साथ खड़े दिख सकते हैं।

बजट 2026-27 में प्रस्तावित सड़कों के लिए 19.80 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति जारी

चौमूं (हमारा वतन)। चौमूँ विधानसभा क्षेत्र के लिए बजट 2026-27 में प्रस्तावित सड़को के लिए 19.80 वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति मुख्य अभियंता (पथ) सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा प्रदान कर दी गई है।

भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उपमुख्यमंत्री व सार्वजनिक निर्माण विभाग मंत्री दिया कुमारी का आभार व्यक्त किया है। सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा मालेश्वर नाथ मंदिर के लिए 4 करोड़,

गोविंदगढ़ में एन. एच.52 सीकर रोड से प्राचीन भोमिया जी महाराज मंदिर तक सी.सी. सड़क के लिए 80 लाख, विकास नगर से सीतारामपुरा अण्डरपास तक, नागलकलां से रेलवे फाटक तक, भूतेड़ा-गुडलिया सड़क से किशनमानपुरा तक, किशनमानपुरा सड़क से नेतडो की ढाणी तक, बालाजी मंदिर आष्टी से जुनसिया सड़क तक, स्टेडियम से स्टेशन रोड गोविन्दगढ़ तक, नर्सरी से घाटी तक महारकलां, किरत सिंह का बास से लक्ष्मीनारायण के मकान तक, हीरा का बास से खेता की ढाणी तक रींगस सड़क से रीको तक, जलिंद्रा की ढाणी से कालाडेरा सड़क तक 17 किमी के लिए 7 करोड़,गुवारड़ी से प्रागपुरा तक, पेट्रोल पम्प से प्रागपुरा सड़क तक, चन्दवाजी सड़क से बिरदीचन्द सरपंच की ढाणी तक, खोजों की ढाणी से सबलपुरा तक, ह्राड़ौता स्टेण्ड से रामेश्वर के मकान तक, मानपुरा सड़क से कुमावतों के शमशान तक, विमलपुरा सड़क से रूडजी की ढाणी तक, गीदा का बास से किशनमानपुरा सड़क वाया कुमावतों की ढाणी, शिव मंदिर से आष्टी तक, भूतेड़ा सड़क से कमलेश एपीपी के मकान तक, समरपुरा से भरियाला तक, चारणवास से सारड़ीवालों की ढाणी तक 18.50 किमी के लिए 8 करोड़ रुपए की स्वीकृति जारी की गई है।

पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने कहा, 'डबल इंजन की सरकार क्षेत्र के चहुंमुखी विकास के लिए प्रतिबद्ध है। 19.80 करोड़ की लागत से बनने वाली इन सड़कों से न केवल यातायात सुगम होगा, बल्कि स्थानीय किसानों को अपनी उपज मंडियों तक ले जाने में भी सुविधा प्रदान करेगी। इससे क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। सड़को का निर्माण कार्य शीघ्र ही शुरू किया जाएगा, जिससे राहगीरों को आवागमन में सुगमता होगी।

प्रमोशन पर शिक्षिका ममता को दी भावभीनी विदाई

जयपुर (हमारा वतन)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गगोरियां की ढाणी में कार्यरत वरिष्ठ गणित अध्यापिका ममता खींची का प्रमोशन होने पर विद्यालय परिवार एवं विद्यार्थियों में खुशी का माहौल रहा। प्रमोशन के उपलक्ष्य में विद्यालय परिसर में विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें विद्यालय के पूर्व प्रधानाध्यापक, वर्तमान शिक्षक स्टाफ, विद्यार्थी एवं गणमान्य नागरिकों ने शिक्षिका ममता को भावभीनी विदाई दी।

समारोह के दौरान विद्यालय परिवार की ओर से ममता का माल्यार्पण कर साफा पहनाया गया एवं अन्य उपहार देकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर पत्रकार अशोक आचार्य ने भी शिक्षिका का दुपट्टा ओढ़ाकर एवं भगवान गोविंद देव जी की प्रतिमा भेंट कर सम्मान किया।

वक्ताओं ने कहा कि श्रीमती ममता ने विद्यालय में अपने कार्यकाल के दौरान विद्यार्थियों को गणित विषय का ज्ञान देने के साथ-साथ उनके सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके सरल व्यवहार, अनुशासन एवं शिक्षण शैली की विद्यालय परिवार एवं विद्यार्थियों ने सराहना की। प्रमोशन को उनके परिश्रम एवं समर्पण का परिणाम बताते हुए सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने भी अपनी प्रिय शिक्षिका के प्रति सम्मान एवं शुभकामनाएं व्यक्त कीं। इस दौरान शिक्षिका भी भावुक हो गईं। समारोह में विद्यालय के पूर्व प्रधानाध्यापक, शिक्षक स्टाफ, गणमान्य नागरिक एवं अन्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का माहौल भावुक होने के साथ-साथ हर्षोल्लास से भी भरा रहा। इस अवसर पर अध्यापिका ममता खींची के पति वीरेंद्र बडगूजर भी उपस्थित थे। उन्होंने विद्यालय के लिए एक इलेक्ट्रिक बेल एवं समारोह में उपस्थित उनके माता-पिता ने विद्यालय के लिए एक प्रिंटर भी भेंट किया।

इस अवसर पर महेश जागिड़ सीताराम, पूर्व सरपंच महेश शर्मा, सत्यनारायण जागिड़, प्रधानाचार्य राहुल कुमार चोपड़ा, व्याख्याता हीरालाल कुमावत, व्याख्याता नेमीचंद जैन, व्याख्याता चित्र सीकलिगर, वरिष्ठ अध्यापक राजेंद्र कुमार शर्मा, राजेंद्र प्रसाद जमरोलिया, अंजू पुरानचंद कौशिक, कविता यादव, सूरज किरण चौधरी, राकेश कुमार शर्मा, कनिष्क लिपिक ममता कुमारी सहित गणमान्य नागरिक एवं छात्र-छात्रा उपस्थित रहे।

चंद्र प्रकाश चित्तौड़ा ने लघु पुस्तिका से किया मां को नमन

उदयपुर (हमारा वतन)। मिनिएचर आर्ट में अपनी विशिष्ट पहचान रखने वाले शहर के ख्यातनाम कलाकार डॉ. चंद्र प्रकाश चित्तौड़ा ने अपनी मां की 12वीं पुण्यतिथि पर मां को नमन नाम से लघु पुस्तिका तैयार की है।

कलाकार चित्तौड़ा विभिन्न महापुरुषों एवं व्यक्ति विशेष की पुण्यतिथि और जन्म तिथि पर उनकी स्मृति में सूक्ष्म पुस्तिका बनाकर श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। इसी के तहत चित्तौड़ा ने अपनी मां माता रोशन देवी चित्तौड़ा की स्मृति में लघु पुस्तिका तैयार कर उन्हें श्रद्धांजलि दी है एवं मां की यादों को संजोया है।

इसके साथ ही कलाकार चित्तौड़ा ने देश की आजादी में अपना विशेष योगदान रखने वाले महापुरूष चन्द्र शेखर आजाद की जयंती पर भी लघु पुस्तिका बनाई है। चित्तौड़ा ने चन्द्रशेखर आजाद को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वे एक महान युवा क्रांतिकारी जिन्होनें देश की रक्षा के लिए अपना प्राण भी न्यौछावर कर दिए।

आजाद, भारत के एक ऐसे वीर सपूत थे जिन्होनें अपनी बहादुरी और साहस की कहानी खुद लिखी है। इस पुस्तिका में चित्तौड़ा ने आजाद के जीवन से जुड़े विभिन्न पहलुओं को संग्रहित किया है।

नागौर में होगा पारीक समाज का भव्य कार्यकर्ता सम्मेलन

जयपुर (हमारा वतन)। आगामी 6 सितंबर 2026 को गायत्री भवन पारीक पोल नागौर में आयोजित होने वाले पारीक समाज के कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारियों को लेकर चौमूं में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सम्मेलन के संयोजक सीताराम पांडिया विशेष रूप से नागौर से पधारे। उनके साथ सुरेश पारीक, अशोक पारीक सहित अन्य समाजबंधुओं की भी गरिमामयी उपस्थिति रही।

बैठक में स्थानीय कार्यकर्ताओं में वैद्य सत्य प्रकाश पारीक 'राजभाषी', पुरुषोत्तम पारीक, अटल बिहारी पारीक, रामनिवास पारीक (मोरिया वाले), श्यामदास पारीक, दूदू से पधारे जितेंद्र पारीक तथा जोबनेर से मुकेश पारीक सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने सहभागिता निभाई। यह बैठक सीताराम पांडिया की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। मीटिंग आयोजक सत्य प्रकाश पारीक ने बताया कि बैठक में आगामी कार्यकर्ता सम्मेलन की रूपरेखा, उद्देश्य एवं संचालन को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि कार्यकर्ता सम्मेलन में केवल पूर्व निर्धारित सामाजिक विषयों एवं मुद्दों पर ही चर्चा की जाएगी। सम्मेलन को परिणाममुखी एवं सफल बनाने के उद्देश्य से ऐसे विषयों का चयन किया गया है जिन पर समाजहित में सर्वसम्मति से ठोस निर्णय लिए जा सकें। इसी क्रम में पांच प्रमुख मुद्दे निर्धारित किए गए हैं, जिनकी सूची शीघ्र ही सभी कार्यकर्ताओं एवं समाजबंधुओं को व्हाट्सएप के माध्यम से उपलब्ध करा दी जाएगी, ताकि सभी प्रतिनिधि पूर्व तैयारी के साथ सम्मेलन में सहभागी बन सकें।

सभी कार्यकर्ताओं ने संकल्प व्यक्त किया कि यह सम्मेलन पारीक समाज में सकारात्मक परिवर्तन, सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन तथा समाज को नई दिशा देने की दृष्टि से एक ऐतिहासिक एवं परिणामकारी आयोजन सिद्ध होगा।

रक्तदान : महादान

सेवा, करुणा, त्याग का, अनुपम है प्रतिमान।
धरती पर मानवता का, उज्ज्वल रक्तदान।
रक्त की हर एक बूंद में, जीवन का संचार।
सूनी आँखों में भर देती, आशा का विस्तार।
जब संकट की घड़ी पड़े और टूटें सब अरमान।
तब संबल बनकर आता है, मानव का रक्तदान।
नहीं पूछता जाति कोई, न धर्मों की दीवार।
मानवता के पावन पथ पर, सबका एक संसार।
सेवा, करुणा और दया का, यह अनुपम प्रतिमान।
धरती पर ईश्वर का जैसे, सुंदर एक विधान।
किसी पिता की आस बचाए, किसी माँ की शान।
किसी बहन की राखी रखे, किसी बच्चे की जान।
एक दानी की छोटी-सी यह अनुपम पहचान।
कई हृदयों की धड़कन बन जाता रक्तदान।
धन-दौलत से बढ़कर होता, जीवन का सम्मान।
जीवन देकर ही मिलता है, सच्चा यश-गुणगान।
जो परहित में स्वयं समर्पित, वही बने महान।
मानवता के मस्तक का है रक्तदान अभिमान।
आओ मिलकर शपथ लें, करें नेक अभियान।
हर स्वस्थ जन आगे बढ़कर करे स्वयं रक्तदान।
सेवा, करुणा, त्याग का, अनुपम है प्रतिमान।
धरती पर मानवता का, उज्ज्वल रक्तदान।

महेन्द्र सिंह कटारिया,
नीमकाथाना, राजस्थान

गुजरात में वृक्षारोपण और पौधा वितरण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

गांधीनगर (हमारा वतन)। जीवन धारा संस्थान नमामी गंगे बुलंद शहर भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ हरि ओम शर्मा द्वारा दिए गए मार्ग दर्शन के अंतर्गत गुजरात प्रदेश महासचिव प्रसिद्ध समाज सेवी, साहित्यकार डॉ. गुलाब चंद पटेल द्वारा वृक्षारोपण और पौधा वितरण कार्यक्रम गांधी नगर मे आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में स्वामी विवेकानंद युवा मंडल के अध्यक्ष जय दीप ठाकुर, नीरव मोदी, विशाल मोदी संदीप परमार द्वारा सहयोग किया गया है। इस अवसर पर भारत माता अभिनंदन संगठन हरियाणा गुजरात के अध्यक्ष डॉ गुलाब चंद पटेल और इनके द्वारा चलाई निःशुल्क ज्ञान स्कूल के विद्यार्थियों ने भी अच्छा सहयोग किया गया।

इस कार्यक्रम में सेक्टर 14 गांधी नगर गुजरात के वसाहत के भाई बहनो में झीना भाई वाघेला निवृत शिक्षक, जिवन भाई परमार, प्रवीण भाई रामी महेंद्र भाई चौहान ने वृक्षारोपण कार्यक्रम में अच्छा सहयोग किया। इस कार्यक्रम में गुजरात के प्रदेश महासचिव डॉ गुलाब चंद पटेल द्वारा वृक्षारोपण और पानी बचाव, जल संरक्षण के लिए उपस्थित सभी सदस्यों को मार्ग दर्शन दिय। अंत में सभी का आभार प्रदेश महा सचिव गुजरात के डॉ. गुलाब चंद पटेल ने व्यक्त किया गया। इस कार्यक्रम में पौधा अपने अपने घर के आंगन में रोपण के लिए दिया गया।

एक पेड़ शिक्षक के नाम अभियान का हुआ भव्य शुभारंभ

जयपुर (हमारा वतन)। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, राजस्थान (विद्यालय शिक्षा), जयपुर द्वितीय के जिलाध्यक्ष चौथमल कुमावत के नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति संवर्धन के संकल्प के साथ 'एक पेड़ शिक्षक के नाम' वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ उत्साहपूर्वक किया गया।

इस पुण्य अवसर पर जिला उपाध्यक्ष (प्राथमिक) नरेंद्र सिंह सादू ने अभियान में सक्रिय सहयोग प्रदान करते हुए 'शिक्षक के नाम एक वृक्ष' के संकल्प को साकार करने में अपनी महत्वपूर्ण सहभागिता निभाई। वहीं खंड अध्यक्ष अशोक कविया के नेतृत्व में सभी कार्यकर्ताओं ने उत्साह एवं समर्पण के साथ वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का प्रेरणादायी संदेश दिया।

इस पावन एवं प्रेरणास्पद कार्यक्रम में संगठन के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे। सभी ने संकल्प लिया कि प्रत्येक शिक्षक अपने नाम से कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएगा तथा उसके संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभाएगा।

वृक्ष केवल प्रकृति की धरोहर नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित एवं स्वस्थ भविष्य का आधार हैं। 'एक पेड़ शिक्षक के नाम' अभियान पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व का भी सशक्त संदेश देता है।आइए, हम सभी इस जनकल्याणकारी अभियान से जुड़ें और हरियाली, स्वच्छता तथा पर्यावरण संरक्षण के इस महायज्ञ में अपना अमूल्य योगदान दें।

जिंदगी की हकीकत

महज घाट तक ले नहीं जा सके कांधा बदले,
जिन्होंने ताउम्र साथ देने का था वादा किया।
दर्द सुफ़ेदी ओढ़े उस आदमी को भी है,
जिसके भरम को कांधे ने आधा किया।।
घर पे रुदन से बोझिल था इतना हुआ,
सांस ना थी पर वजन उसका बढ़ता गया।
धीरे - धीरे ख्याल जल्दी जलाने पर गया,
ज्यों - ज्यो ये तूफानी वक्त ढलता गया ।।
झट निकाला गया घर से बाहर उसे,
जिसने उस भवन को बनाने में जां फूँक दी।
अर्थी बन ज़ब चढ़ा और गया चिता पर,
समझ इतना न आया के कहाँ चूक की।।
आग जैसे लगी सब तपन से भगे,
पराये का क्या कहें सब के सब थे सगे।
खाने -पीने, घर जाने की जल्दी पड़ी,
कुछ रुके... कुछ पचलकड़ी के बिन चल पड़े ।।
एक हड्डी चिता से निकाली गयी,
संदूके घर पे मेरी सब खंगाली गयी।
सादा भोजन किया घर पे सबने उसके,
उच्च विचार किसी भी में आया नहीं
सोच ना ही किसी की बवाली गयी ।।
भोज में मौज था दुख बेतहाशा बढ़ा,
सगे रिश्तों से था थोड़ा आशा बढ़ा।
आसनारूढ़ थे मूढ़ झूठे रिश्तों पे सब,
उनका भी हश्र ऐसा होगा अगर यम आ पड़ा ।।
दिखावा चेतक का भाई दौड़े रिश्तों में अब,
जो मरा- मुर गया वो गया... अब गया।
पिंड का भी वजन बहुत बढ़ जायेगा,
कोई गया ज़ब गया अपने पैसे पर ज़ब गया ।।
कहानी खत्म फोटो पे नया हार आया,
फोटो पे हार आया जो सब हार आया।
पूड़ी - पकवान अब बच्चों के बहाने बनेंगे,
अगर कोई खाने वाला त्यौहार आया ।।
फोटो में से ताकते रहा आदमी,
जिसके राह तकते थे सब के सभी।
साल में एक बार बस माला बदला गया,
उस फोटो को ढंग से न कोई निहारा कभी।।

सिद्धार्थ गोरखपुरी

सैनी माली रेलवे कर्मचारी अधिकारी विकास संस्था द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम सम्पन्न

जयपुर (हमारा वतन)

सैनी (माली) रेलवे कर्मचारी अधिकारी विकास संस्था के तत्वावधान में शनिवार 25 जुलाई 2026 को ऑफिसर रेस्ट हाउस, रेलवे लोको कॉलोनी, जयपुर स्थित पार्क में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान लगभग 11 विभिन्न प्रकार के फलदार, फूलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार सैनी, मुख्य संरक्षक के. एल. भाटी, संयोजक हुकुमचंद सैनी, महासचिव हरजीत राम सैनी, कोषाध्यक्ष बृजेश कुमार सैनी, सहायक कोषाध्यक्ष मनोज सैनी, संयुक्त सचिव सुरेश सैनी तथा सक्रिय सदस्य रामधन सैनी, कजोड. सैनी,अशोक सैनी, प्रवीण सैनी एवं राजू सैनी उपस्थित रहे।

संस्था के अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार सैनी ने बताया कि यह वृक्षारोपण कार्यक्रम संस्था के उद्देश्यों की पूर्ति एवं पर्यावरण संरक्षण के संकल्प को साकार करने की दिशा में आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि संस्था भविष्य में भी शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण एवं चिकित्सा के क्षेत्र में जनहितकारी एवं समाजोपयोगी कार्य निरंतर करती रहेगी। कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल का संकल्प लिया।

सभी खादी संस्थाओं से निवेदन है कि अपनी गतिविधियों की जानकारी प्रकाशित करवाने के लिए हमें जरूर भेजें !
Email-hamarawatan65@gmail.com, whatsapp-9214996258.
Khadi For Nation
खादी भारत
Khadi India
Khadi For Fashion

जॉब्स

1. राजस्थान हाई कोर्ट जोधपुर, पद स्टेनोग्राफर ग्रेड थर्ड, पद संख्या 163, अंतिम तिथि 10 अगस्त 2026
2. इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम पद सीएस, डीए व ईसी, पद संख्या 133, अंतिम तिथि 17 अगस्त 2026
3. नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, पद असिस्टेंट, पद संख्या 500, अंतिम तिथि 7 अगस्त 2026
4. नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर रेलवे, पद अप्रेंटिस, पद संख्या 677, अंतिम तिथि 19 अगस्त 2026
5. रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड, पद सेक्शन कंट्रोलर, पद संख्या 119, अंतिम तिथि 14 अगस्त 2026
6. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, पद सीईटी स्नातक, पद संख्या अघोषित, अंतिम तिथि 2 अगस्त 2026
7. एम्स नॉर्सेट 2026, पद नर्सिंग ऑफिसर, पद संख्या अघोषित, अंतिम तिथि 13 अगस्त 2026
8. राजस्थान लोक सेवा आयोग, पद फिजियोथैरेपिस्ट, पद संख्या 20, अंतिम तिथि 21 अगस्त 2026

'मिर्जापुरः द फिल्म' को लेकर श्वेता त्रिपाठी बोलीं- गोलू गुप्ता का सफर मेरे करियर का सबसे खास अनुभव

लंबे समय से दर्शकों के दिलों पर राज कर रही मिर्जापुर फ्रेंचाइजी अब ओटीटी की दुनिया से निकलकर बड़े पर्दे पर दस्तक देने जा रही है। मिर्जापुर- द फिल्म में एक बार फिर अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी अपने लोकप्रिय किरदार गोलू गुप्ता के रूप में नजर आएंगी।

फिल्म की रिलीज से पहले अभिनेत्री ने अपने किरदार की यात्रा, फ्रेंचाइजी से जुड़े अनुभव और दर्शकों के प्यार को लेकर कई बातें साझा की। उन्होंने बताया कि गोलू का किरदार समय के साथ काफी बदल गया है और एक ऐसी लड़की से एक मजबूत महिला तक का सफर तय कर चुका है, जो सही और गलत की समझ से आगे बढ़ते हुए ताकत, दर्द, बदले और महत्वाकांक्षा जैसी भावनाओं से गुजरती है। श्वेता त्रिपाठी ने कहा, जब हमने करीब आठ साल पहले मिर्जापुर की शूटिंग शुरू की थी, तब हममें से किसी ने नहीं सोचा था कि यह सफर इतना लंबा और खास होगा। एक कलाकार के तौर पर आप हमेशा चाहते हैं कि आपका काम लोगों तक पहुंचे, लेकिन बहुत कम ऐसा होता है जब कोई शो लोगों की बातचीत, मीम्स, सेलिब्रेशन और उनकी भाषा का हिस्सा बन जाए। मिर्जापुर ने यह कर दिखाया। उन्होंने कहा, इस फ्रेंचाइजी ने कलाकारों को ऐसी पहचान दी, जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी। दर्शकों ने सिर्फ कहानी को पसंद नहीं किया, बल्कि इसके किरदारों से गहरा जुड़ाव महसूस किया। लोग मुझे आज भी मेरे असली नाम से ज्यादा गोलू दीदी के नाम से पहचानते हैं।फिल्म के रूप में मिर्जापुर के विस्तार को लेकर श्वेता ने कहा, यह सिर्फ एक सीरीज को बड़े पर्दे पर लाने की कोशिश नहीं है।

बाढ़ प्रभावित असम को मदद की जरूरत, भूमि पेडनेकर की लोगों से अपील, ज्यादा से ज्यादा करें दान

असम में पिछले कुछ समय से बाढ़ के कारण हालात बेहद गंभीर बने हुए हैं। इस बड़ी आपदा को देखते हुए अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने शनिवार को सोशल मीडिया के जरिए लोगों से मदद की अपील की। भूमि पेडनेकर ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर वीएक डियो जारी किया, जिसमें वह असम के बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए आगे आने की अपील करती नजर आ रही हैं। जारी किए गए वीडियो में अभिनेत्री कहती हैं, नमस्ते, देश में इस समय जो कुछ भी हो रहा है, उसके बारे में हम सभी जानते हैं। मैं लोगों के जोश और एकजुटता को सलाम भी करती हूं, लेकिन देश का एक हिस्सा ऐसा भी है, जिसे इस समय हमारी सबसे ज्यादा जरूरत है और वह असम।

उन्होंने असम के हालातों के बारे में बताते हुए कहा, असम इस समय भयंकर बाढ़ का सामना कर रहा है। वहां के हालात इतने खराब है कि 7.5 लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित जगहों पर ले जाना पड़ा है। अब तक 40 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है और यह संख्या लगातार बढ़ रही है। पूरे के पूरे गांव बाढ़ में बह गए हैं। पशु भी बह गए हैं। लोगों ने अपनी मेहनत की सारी कमाई और घर-बार खो दिया है।अभिनेत्री ने जोर देते हुए कहा कि इस मुद्दे पर ज्यादातर लोग बात ही नहीं कर रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताते हुए कहा कि जैसे पिछले साल पूरा देश पंजाब, जम्मू, बिहार और महाराष्ट्र के लोगों की मदद के लिए आगे आया था। ठीक उसी तरह सभी लोग असम के साथ खड़े हों।उन्होंने कहा, उस समय आप सभी ने राहत सामग्री और जरूरत की चीजें भेजकर मानवता का शानदार उदाहरण पेश किया था। अब फिर वही समय आ गया है। इस बार असम को हमारी मदद की जरूरत है।भूमि ने लोगों से अपील की कि वे भोजन, गद्दे, स्वच्छता से जुड़ी सामग्री और राहत एवं बचाव कार्यों के लिए जितना हो सके, दान करें। उन्होंने कहा, अगर आप वहां की तस्वीरें और वीडियो देखेंगे तो आपका दिल टूट जाएगा।

फिल्म 'यहां' की रिलीज के 21 साल पूरे, मनीषा लांबा ने पुराने दिनों को याद कर लिखा नोट

अभिनेत्री मनीषा लांबा और जिम्मी शेरगिल स्टारर फिल्म यहां ने अपनी रिलीज के 21 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर अभिनेत्री ने फिल्म से जुड़ी यादों को सोशल मीडिया के माध्यम से शेयर किया। अभिनेत्री मनीषा लांबा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म से जुड़ा क्लिप शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपने सह-कलाकार जिम्मी शेरगिल की तारीफ करने के साथ निर्देशक का शुक्रिया अदा किया। अभिनेत्री ने लिखा, शूजित सरकार की फिल्म यहां ने अपनी रिलीज के 21 साल पूरे कर लिए हैं। फिल्म में मुझे अदा का किरदार निभाने का मौका देने और मेरी जिंदगी की दिशा बदलने के लिए आपका धन्यवाद। इस फिल्म का हर सीन उन खूबसूरत यादों से भरा हुआ है, जो हमारी पहली फिल्म से जुड़ी हैं। जिम्मी शेरगिल कितने शानदार और आकर्षक लग रहे हैं। साल 2005 में रिलीज हुई फिल्म यहां अभिनेत्री मिनिषा लांबा की चर्चित फिल्म थी। फिल्म में अभिनेत्री के जिम्मी शेरगिल भी मुख्य भूमिका में थे। इसमें अभिनेत्री मिनिषा लांबा ने अदा नाम की एक युवा कश्मीरी मुस्लिम लड़की का मुख्य किरदार निभाया था, जिसे भारतीय सेना के एक अधिकारी से प्यार हो जाता है। मनिषा लांबा को संवेदनशील किरदार के लिए काफी सराहना मिली थी। शूजीत सरकार द्वारा निर्देशित फिल्म कश्मीर घाटी की पृष्ठभूमि पर आधारित एक रोमांटिक वॉर ड्रामा थी, जिसमें आतंकवाद और सेना के बीच फंसी जोड़ी के प्यार को बहुत ही संवेदनशीलता के साथ पर्दे पर उतारा गया था। फिल्म सेना के एक अधिकारी और एक कश्मीरी लड़की के बीच पनपे प्यार और समाज के दबाव के बीच के संघर्ष को दिखाती है। इस फिल्म को कश्मीर के वास्तविक और भीतरी इलाकों में शूट किया गया था, ताकि चरमपंथी क्षेत्रों में सुरक्षा के बीच दृश्य वास्तविक तौर पर फिल्माए जा सकें।

अगर रात भर नींद नहीं आती तो ये हो सकता है डायबिटीज का संकेत

मधुमेह वह बीमारी है जिसमें शरीर सही तरह से इंसुलिन का निर्माण नहीं कर पाता है। इंसुलिन रक्त से ग्लूकोज को मांसपेशियों, यकृत, अन्य कोशिकाओं में स्थानांतरित करने में मदद करता है। जहां इसका उपयोग ऊर्जा के लिए किया जा सकता है। इंसुलिन प्रतिरोध तब होता है जब शरीर को इंसुलिन का उत्पादन करने में परेशानी होती है। जब इंसुलिन ग्लूकोज को इन कोशिकाओं में स्थानांतरित करने में विफल रहता है। इससे रक्त में ग्लूकोज का निर्माण होता है, परंतु अन्य अंगो तक सुचारू रूप से न पहुंच पाने की स्थिति में शरीर में ग्लूकोज़ का स्तर बढ़ने लगता है, जिसे ब्लड शुगर के नाम से जाना जाता है। डायबिटीज आपकी नींद को कैसे प्रभावित करती है, आइए समझने की कोशिश करते हैं। नेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ डायबिटीज़ एंड डाइजेस्टिव एंड किडनी डिजीज (एनआईडीडीके) की एक रिपोर्ट के अनुसार यह स्थिति मधुमेह का मुख्य लक्षण है। यदि शरीर में शक्कर की मात्रा को ठीक से प्रबंधित नहीं किया जाए, तो हृदय, गुर्दे और अन्य अंगों के लिए इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं ।

क्या है नींद और डायबिटीज का कनेक्शन-एनसीबीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार मधुमेह और नींद आपस में जुड़े हुए हैं। टाइप 2 मधुमेह वाले लोगों में नींद की खराब गुणवत्ता या अनिद्रा की शिकायत होती ही है। इस रिपोर्ट के अनुसार आहार, व्यायाम और रक्त में मौजूद शर्करा की मात्रा के सही प्रबंधन से नींद की गुणवत्ता और आपके समग्र स्वास्थ्य में बदलाव लाया जा सकता है।

मधुमेह नींद को कैसे प्रभावित करता है?डायबिटीज और नींद से जुड़ीं आई एनसीबीआई की एक रिपोर्ट कहती है कि ऐसा अनुमान है कि दो में से एक व्यक्ति टाइप 2 मधुमेह के साथ अस्थिर रक्त शर्करा के स्तर और मधुमेह से संबंधित लक्षणों के कारण नींद की समस्या से परेशान रहता है। रात के दौरान उच्च रक्त शर्करा (हाइपरग्लेसेमिया) और निम्न रक्त शर्करा (हाइपोग्लाइसीमिया) के कारण अनिद्रा और अगले दिन थकान भी हो सकती है। अवसाद या बीमारी से जुड़ा तनाव भी आपको रात में जगाए रख सकता है।एनआईडीडीके की रिपोर्ट कहती है कि जब शरीर में रक्त शर्करा का स्तर बढ़ जाता है, तो अधिक बार पेशाब करने के कारण गुर्दे को अधिक काम करना पड़ता है। रात के दौरान, बार-बार बाथरूम जाने से भी नींद में खलल पड़ता है। खून में चीनी की अधिक मात्रा के कारण सिरदर्द, प्यास लगना और थकान जैसी दिक्कत भी हो सकती है, जो नींद में व्यवधान उत्पन्न कर सकती है।बिना खाए या मधुमेह की दवा लिए बिना बहुत अधिक घंटे बिताने से भी शरीर में रक्त शर्करा का स्तर कम हो सकता है। इसकी वजह से आपको बुरे सपने आ सकते हैं, पसीना आ सकता है, या जब आप जागते हैं तो चिढ़ या भ्रम महसूस हो सकता है। ये सभी कारक नींद में खलल डालते हैं।

करें डॉक्टर से संपर्क-यदि आप थकान, सोने में परेशानी या किसी अन्य चिंताजनक लक्षण का अनुभव कर रहे हैं, तो आपको चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए। वे इन समस्याओं के कारणों का विश्लेषण करने में मदद कर सकते हैं। साथ ही आपके रक्त शर्करा के स्तर का संतुलन बनाए रखने के लिए आपको सही सलाह दे सकते हैं।

खराब नींद भी हो सकती है डायबिटीज का कारण-जिस तरह मधुमेह से नींद की समस्या हो सकती है, उसी तरह नींद की समस्या भी मधुमेह में भूमिका निभाती है।

सबसे ज्यादा सेंसिटिव होती है टीन एज में स्किन कैसे रखना है इसका ख्याल

यदि आपकी बेटी या बहन टीनएज में दाखिल हो चुकी है, तो उसे अपनी स्किन की विशेष देखभाल करनी होगी। यहां हैं टीनएज में स्किन केयर के टिप्स। क्या आपकी बेटी टीन एज ग्रुप में प्रवेश करने वाली है? संभव है कि उसे एक्ने या पिंपल्स की समस्या हो। इस एज में 10 में से 8 बच्चे स्किन प्रॉब्लम से परेशान होते हैं। टीनएज में स्किन की इलास्टिसिटी अधिक होती है। पिंपल्स और एक्ने की तरह उनकी स्किन पर और भी कई समस्याएं हो सकती हैं। इस एज ग्रुप में विशेष स्किन केयर करनी पड़ती है। स्किन केयर किस तरह की जाए , इसके लिए हम यहां कुछ एक्सपर्ट टिप्स साझा कर रहे हैं। किशोरियों की त्वचा की देखभाल के बारे में बात करने से पहले समझते हैं टींस और एडल्ट स्किन के बीच के अंतर को।

टीन एज में स्किन अधिक होती है लचीली-जब शरीर किशोरावस्था में प्रवेश करता है, तो वह कई तरह के परिवर्तनों से गुजरता है। जब आप छोटी बच्ची होती हैं, तो स्किन अक्सर खुद को रिन्यू करती रहती है। जैसे ही आप टीनएज में पहुंचती है स्किन की रिन्यू करने की प्रवृत्ति घटने लगती है। बचपन की तुलना में यह सख्त और अधिक लचीली हो जाती है। टींस की फेस स्किन में भरपूर मात्रा में कोलेजन मौजूद होता है। जैसे ही आप एडल्ट एज में प्रवेश करती हैं, कोलेजन का उत्पादन कम हो जाता है। इससे आपकी त्वचा में सैगिंग, फाइन लाइन्स और रिंकल्स आने की संभावना बनने लगती हैं।

हार्मोन में परिवर्तन कारण बनता है सीबम प्रोडक्शन का-शरीर बढ़ने के साथ-साथ हार्मोनल चेंजेज भी होते हैं, जिस से स्किन प्रॉब्लम होती है। इसके कारण सीबम या ऑयल प्रोडक्शन बढ़ जाता है। ऑयल और पसीने के अत्यधिक प्रोडक्शन के कारण आपके स्किन सेल्स में धूल-मिट्टी या फेस प्रोडक्ट फंसने लगते हैं। इससे पोर्स बंद हो जाते हैं और पिंपल्स निकल आते हैं। हालांकि हार्मोनल इंबैलेंस के कारण एडल्ट एज, खराब लाइफस्टाइल, खराब डाइट, पीरियड और प्रेगनेंसी के दौरान भी पिंपल्स निकलते हैं।

क्यों जरूरी है टीन स्किन केयर - टीन एज में पहुंचते ही स्किन की देखभाल शुरू कर देनी चाहिए। स्किन जेस्ट की चीफ डर्मेटोलॉजिस्ट डॉ. नुपुर जैन हेल्थ शॉट्स से बताती हैं कि ओपन पोर्स और सीबम सीक्रेशन अधिक होने के कारण स्किन सबसे ज्यादा प्रभावित होती है। इसलिए स्किन की विशेष देखभाल जरूरी है। **करें जेंटल क्लींजर का इस्तेमाल**-डॉ. नुपुर बताती हैं, 'चेहरे को ठीक से धोने के लिए स्किन के अनुकूल क्लींजर का उपयोग करना चाहिए, ताकि स्किन ड्राय न हो या जलन न पैदा हो।

ऑयली या नॉर्मल या फिर कॉम्बीनेशन स्किन के लिए सैलिसिलिक एसिड युक्त डेली क्लींजर का उपयोग करना चाहिए। यह पोर्स को साफ कर डिहाइड्रेशन बढ़ाता है।'

सीबम प्रोडक्शन को नियंत्रित करने के लिए विटामिन ए या जिंक की खुराक भी ली जा सकती है। इससे ब्लैकहेड्स को कम किया जा सकता है। चेहरे को रगड़ कर साफ करने की बजाय धीरे-धीरे सर्कल में घुमाते हुए साफ करना चाहिए।

हमारा वतन
खबरों, विज्ञापन एवं सदस्यता के लिए सम्पर्क करें ।
Email- hamarawatan65@gmail.com 9214996258 7014468512

अति आवश्यक सूचना

पाठकों व विज्ञापनदाताओं से निवेदन है कि जिनका सालाना सदस्यता शुल्क व विज्ञापनों का भुगतान नहीं हो पाया है वे अपना शुल्क 'हमारा वतन के नाम से खाता संख्या 61079058819' एसबीआई (IFSC Code- SBIN0004227) में या 9214996258 पर फोन-पे, पेटीएम, गुगल-पे पर जमा कराकर सूचित करें।
- सम्पादक

पुनीत प्रतिष्ठा में :-

क्या ख़ाक लिखे कोई, बरगश्ता ज़माना है,
कांटों पै भी चलना है, दामन भी बचाना है।

सम्पादकीय.....

फैसले, रिश्ते और समाज

बस इतना ही याद रखना काफी है कि बदलाव की शुरुआत जागरूकता से होती है। जब हमें यह समझ आ जाए कि मन पहले से निर्णय बना लेता है, तो हम छोटे-छोटे कदम उठा सकते हैं। बस जरा रुककर सोचें कि क्या मैं सच में विकल्प देख रहा हूं, या सिर्फ अपने फैसले को सही ठहरा रहा हूं? इसके लिए आवश्यक है कि हम सामने वाले की बात को धीरज से सुनना सीखें, खासकर रिश्तों में। बिना अपना कोई जवाब तैयार किए सुनें। तसल्ली से सुनें। कम से कम बोलकर सुनें। बिना टोके सुनें, और फिर अपने विचारों पर सवाल करें कि क्या मेरी ये सोच सही है, क्या ये सचमुच मेरी ही सोच है या कहीं से सीखी हुई है। थोड़ा रुक कर फिर सोचें। ईमानदारी से विश्लेषण करें। अपने विचारों को परखने के लिए अपने आप को समय दें। हर निर्णय तुरंत लेना जरूरी नहीं होता। आदर्श स्थिति यह है कि हम जागरूक हों और यह समझ लें कि हमारे ज्यादातर फैसले अचानक नहीं होते, वे धीरे-धीरे बनते हैं और उनके पीछे हमारी धारणाओं, अनुभवों और समाज का प्रभाव बहुत बड़ा होता है। हम अक्सर सोचते हैं कि हम अपने फैसले बहुत सोच-समझकर लेते हैं, पर क्या सच में ऐसा है? सच्चाई यह है कि ज्यादातर बार फैसला पहले ही हमारे मन में बन चुका होता है, और बाद में हम सिर्फ उसे सही साबित करने के लिए कारण ढूंढते हैं। यानी, पहले से बना मन ही हमारे फैसलों की अदृश्य दिशा तय करता है। अगर एक आसान उदाहरण की बात करें तो मान लीजिए कि आप मोबाइल खरीदने जाते हैं। अक्सर होता यह है कि जाने से पहले ही आपने तय कर लिया होता है कि कौनसा ब्रांड लेना है, कौनसा रंग ज्यादा पसंद है, और लगभग कितनी कीमत का फोन लेना है। ब्रांड, रंग, बजट सब तय है। सिर्फ मॉडल चुनना है। दुकान पर जाकर आप कई विकल्प देखते हैं, दुकानदार से बात करते हैं, रिव्यू भी पढ़ते हैं, लेकिन अंत में खरीदते वही हैं, जो पहले से तय था। तो सवाल यह है कि जब निर्णय पहले ही हो चुका था, तो इतना समय और ऊर्जा क्यों खर्च हुई? क्योंकि असल में हम 'बेहतर विकल्प' नहीं ढूंढ रहे होते, हम अपने पहले से बने निर्णय को सही साबित कर रहे होते हैं ताकि हम अपनी नजरों में खुद की इज्जत बनाए रख सकें, खुद को बुद्धिमान और तर्कशील मानते रह सकें। सवाल यह है कि आखिर इतनी छोटी सी बात को मैं इतना महत्व क्यों दे रहा हूं? इसका सीधा सा कारण यह है कि जीवन के बाकी सभी सामान्य ही नहीं, बल्कि महत्वपूर्ण मामलों में भी निर्णय लेने का हमारा यह पैटर्न साफ नजर आता है, यहां तक कि रिश्तों में भी यही पैटर्न चलता है। परिणाम यह है कि बहुत से नाजुक रिश्ते अकारण ही सूख जाते हैं, टूट जाते हैं।यह समझना और याद रखना जरूरी है कि जब हम किसी से नाराज होते हैं या रिश्ता खत्म करने का मन बना लेते हैं तो हम धीरे-धीरे उन्हीं बातों पर ध्यान देने लगते हैं जो हमारे फैसले को सही साबित करें। हमें उनकी गलतियां ज्यादा दिखती हैं, हमें वही बातें याद रहती हैं जो हमें चोट पहुंचाती हैं। हम उनके अच्छे प्रयासों को नजरअंदाज कर देते हैं और फिर एक दिन हम कहते हैं कि अब यह रिश्ता नहीं चल सकता, जबकि सच यह है उस फैसले की शुरुआत बहुत पहले ही हो चुकी थी और हमने खुद भी धीरे-धीरे इस रिश्ते को सूख जाने दिया जिससे वह रिश्ता टूटने की कगार तक आ पहुंचा। गड़बड़ यह भी है कि जब हमें किसी का व्यवहार खलता है तो हमारे शब्द, हमारी टोन, हमारे आव-भाव सब नेगेटिव हो जाते हैं। जब हम नेगेटिव हो गए तो यह नहीं हो सकता कि सामने वाला उसे न भांप सके। तब सामने वाला व्यक्ति और भी ज्यादा नेगेटिव हो जाता है और फिर रिश्ता तोड़ देना ही सबसे ज्यादा तर्कसंगत फैसला लगता है।

राम गोपाल सैनी

बेंगलुरु में स्वर्णिम सफलता पर एएन पब्लिक स्कूल में अंशुमन चौधरी का हुआ भव्य सम्मान

जयपुर (हमारा वतन)। शहर के जयपुर रोड स्थित ए.एन. पब्लिक स्कूल में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने जा रहे विद्यालय के होनहार बैडमिंटन खिलाड़ी अंशुमन चौधरी पुत्र डॉ.रतन लाल जाट के सम्मान में भव्य समारोह आयोजित किया गया।

हाल ही में बेंगलुरु में आयोजित योनेक्स ऑल इंडिया सब जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट-2026 में स्वर्ण पदक जीतकर अंशुमन ने राजस्थान और चौमूं का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया। शानदार प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन अब 8 से 13 सितंबर 2026 तक चीन के चेंगदू में आयोजित बैडमिंटन एशिया जूनियर चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में हुआ है।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिवार ने अंशुमन का माल्यार्पण एवं स्मृति चिन्ह देकर अभिनंदन किया। संस्था निदेशक

बलबीर सिंह चौधरी ने कहा कि 'ए.एन. पब्लिक स्कूल का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को अच्छे अंक दिलाना नहीं, बल्कि शिक्षा, खेल और संस्कारों के माध्यम से उनका सर्वांगीण विकास करना है। अंशुमन की उपलब्धि पूरे विद्यालय के लिए गर्व का विषय है और यह अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बनेगी।'

संस्था सचिव डॉ. सुमित्रा चौधरी ने कहा कि 'आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में मेहनत, अनुशासन और सही मार्गदर्शन ही सफलता की कुंजी है। हमें विश्वास है कि अंशुमन चीन में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश का तिरंगा शान से लहराएंगे।' विद्यालय की प्राचार्य सविता गजराज ने अंशुमन को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा विद्यालय के समर्पित शिक्षकों और खेल प्रशिक्षकों की सराहना की।

इस अवसर पर कॉर्डिनेटर डॉ. के.एल. कुमावत सहित विद्यालय स्टाफ एवं विद्यार्थियों ने अंशुमन का जोरदार स्वागत किया और उनके अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में स्वर्णिम सफलता की शुभकामनाएं दीं।

पर्यावरणविद् वृक्षमित्र डॉ. त्रिलोक चंद्र सोनी के नेतृत्व में विशाल स्वच्छता अभियान का हुआ आयोजन

ऋषिकेश (हमारा वतन)। पीएम श्री राजकीय इण्टर कॉलेज आईडीपीएल वीरभद्र ऋषिकेश के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवियों ने प्रधानाचार्य नरेन्द्र सिंह गुलेरिया की अध्यक्षता में तथा एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी पर्यावरणविद् वृक्षमित्र डॉ. त्रिलोक चंद्र सोनी के नेतृत्व में विशाल स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिसमें विद्यालय परिसर में उगे गाजर घास, लेंटिना व झाड़ियों की कटान कर साफ सफाई की गई। वृक्षमित्र डॉ. सोनी ने कहा बरसाद में घर, आंगन व विद्यालय परिसर के पास पास की सफाई होनी जरूरी है। इन हरे झाड़ियों में कई विषैले सांप, कीड़े मकोड़े, जंगली जानवर हो सकते हैं जो परिवार के किसी भी सदस्य व स्कूल में पढ़ने वाले छात्र छात्राओं को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

इन से बचने के लिए हमें अपने घर आंगन व विद्यालय के आसपास उगे

झाड़ियों को काटना चाहिए ताकि हम इन विषैले कीट पतंगों व जंगली जानवरों से सुरक्षित रह सके।

वही प्रधानाचार्य नरेन्द्र सिंह गुलेरिया ने छात्र छात्राओं से आह्वान करते हुए कहा बारिश होने से बड़े बड़े झाड़ियां उग गए हैं जिसमें विषैले जीव व तेंदुवे, बाघ जैसे घातक जानवर हो सकते हैं। हमें अपने आसपास के झाड़ियों को काटकर साफ करना चाहिए।

कार्यक्रम में दिवाकर नैथानी, बद्रीप्रसाद सती, सुशील रावत, ललित मोहन जोशी, सुरेश बलोद, अनूप वशिष्ठ, ऋषिराम उनियाल, सुशील सैनी, एनएसएस नगर समन्वयक मनोज गुप्ता, किरन ज्योति लोहानी, रेखा बिष्ट, सरोज लोचन, आभा भट्ट, अमन साह, गौरी, समीक्षा सम्मलित हुए।

Mohan Lal Jitarwal
Jaisingh Jitarwal
मोनिका प्रिन्टर्स
WE DESIGN , PRINT & PROMOTE...YOU ! थाना मोड़, चौमूँ
फ्लैक्स / विनायल | ऑफसेट प्रिन्टिंग | पोस्टर / पम्पलेट | बिल-बुक | लेटर हेड
शादी कार्ड | सवामणी कार्ड | स्क्रीन प्रिन्टिंग | विजिटिंग कार्ड | आई - कार्ड
हमारे यहाँ प्रिन्टिंग से सम्बन्धित सभी कार्य उचित रेट पर किये जाते है
तथा चुनाव से सम्बन्धित सामग्री उचित रेट पर तैयार की जाती है ।
एक बार सेवा का मोका अवश्य दें
Contact Us: 9785850646, 8946910073, 7610022192
monikaprinters68@gmail.com

भारतीय किसान संघ द्वारा 3 अगस्त को होगा भ्रष्टाचार के ख़िलाफ़ धरना प्रदर्शन

जाहोता (हमारा वतन)। भारतीय किसान संघ की रामपुरा, चौमूं और जालसू तहसील के पदाधिकारीयो की सयुक्त बैठक रामपुरा भारतीय किसान संघ कार्यालय पर आयोजित हुई। बैठक में प्रांत महामंत्री डॉ. सांवर मल सोलेट ने कहा है कि वर्तमान में किसानो की तरफ़ से राजस्व विभाग में भ्रष्टाचार बढ़ने की शिकायतें आ रही है, दूसरी ओर आए दिन चोरी, अपराध, नशे की तस्करी बढ़ रही है। सरकार की ओर से कृषि भूमि का अधिग्रहण करने पर मुआवज़ा ठीक ढंग से नहीं दिया जा रहा है। उपरोक्त सभी माँगो को लेकर चौमूं तहसील थाना मोड़ तहसील परिसर के सामने 3 अगस्त को धरना प्रदर्शन किया जाएगा। धरने को लेकर तैयारी बैठक संपन्न हुई जिसमे सभी पदाधिकारियों को पंचायत की जिम्मेदारी दी गई। बैठक में जिला अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण, कोषाध्यक्ष भगवान सहाय, जिला मंत्री हरफूल निठारवाल, उपाध्यक्ष चौथमल बोबासिया, चौमूं तहसील अध्यक्ष हनुमान सिंह नाथावत, मंत्री अजय पलसानिया, रामपुरा मंत्री रामजीलाल, आमेर अध्यक्ष कन्हैया लाल शर्मा, जिला सह मंत्री सीताराम शर्मा, जालसू मंत्री हरीश यादव, गोपाल यादव मुण्डोता, अध्यक्ष देवराज सिंह, मंत्री गोविन्द डूडी, गोपाल शर्मा खेजरोली, अध्यक्ष प्रहलाद टंडक सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

RNI No. 10311/1965
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल बाहर, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित , मो. 9214996258, 7014468512
उप सम्पादकः सुरेन्द्र कुमार सैनी
E mail-hamarawatan65@gmail.com
प्रबंध सम्पादक : वली मोहम्मद कुरैशी, मो. 9929610759
सभी प्रकार के वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र चौमूं शहर होगा।